Shri M. R. Krishna: May I know whether the assistance from the Soviet Union will be utilised only for starting new projects or it will be utilised also for projects which have already been started but not completed?

Shri B. R. Bhagat: The assistance will be utilised for both.

Shrimati Tarkeshwari Sinha: May I know whether there is any possibility of forming a consortium of Soviet Union, Yugoslovia, Czechoslovakia and other helping countries?

Shri B. R. Bhagat: Not at the moment.

Shri S. N. Chaturvedi: Is there any possibility of receiving untied loan from the Soviet Union?

Shri B. R. Bhagat: That is non-project loan.

श्री राम सहाय पांडेय : चौथी पंचवर्षीय योजना को पूरा करने के लिए जो सोवियट रूस से सहायता मिलने वाली थी उसके बारे में तो लड़ाई के पहले वार्ता हुई थी । मैं जानना चाहता हूं कि लड़ाई के संदर्भ में अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए क्या और वार्ता होगी ?

श्री ब० रा० भगत : वार्ता अभी हो रही है और हमारे वित्त मंत्री अगले हफ्ते वहां जा रहे हैं ।

Dr. Sarojini Mahishi: May I know what is the estimated quantum of assistance from the Soviet Union expected in the Fourth Plan for the completion of the projects undertaken in the Third Plan?

Shri B. R. Bhagat: That is a question of detail.

सैनिक अस्पतालों को सहायता

\+

*37. **श्री ब० ला० द्विवेदी :**
श्री स० चं० सामन्त :
श्री ओंकार लाल बेरवा :

क्या स्वास्थ्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्तमान भारत पाकिस्तान संघर्ष के दौरान उनके मंत्रालय द्वारा सैनिक अस्पतालों को दी गई सहायता का ब्यौरा क्या है ;

(ख) घायल जवानों के लिए मंत्रालय द्वारा असैनिक अस्पतालों में क्या सुविधाएं दी गई हैं तथा उनके विस्तार के लिये क्या उपाय किये गये हैं अथवा किये जा रहे हैं ;

(ग) क्या नागरिकों ने अस्पतालों में घायल जवानों की सहायता के लिये स्वेच्छापूर्वक अपनी सेवायें अर्पित की ; और

(घ) यदि हां, तो किस रूप में ?

स्वास्थ्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री पू० शे० नास्कर) : (क) जहां कहीं आवश्यक हुआ सैनिक अस्पतालों को सभी संभव सहायता दी गई । ब्यौरा देना सार्वजनिक हित में नहीं होगा ।

(ख) असैनिक अस्पतालों के विस्तार के लिये आवश्यक कदम उठाये गये हैं तथा उठाये जा रहे हैं । आवश्यकता पड़ने पर इन अस्पतालों में घायल जवानों के उपचार की सुविधायें दी गई हैं और दी जाती रहेंगी ।

(ग) जी हां ।

(घ) नागरिकों ने घायल जवानों के लिये खून देने का प्रस्ताव किया । स्वेच्छा से समाज सेवा करने वाले व्यक्तियों ने सैनिक अस्पतालों में नर्सिंग स्टाफ की सहायता के लिये अपने संगठन भी बनायें ।

श्री म० ला० द्विवेदी : मैं जानना चाहता हूं कि सैनिक अस्पतालों के अतिरिक्त क्या नागरिक अस्पतालों में भी कोई सहायता इस कार्य के लिये सरकार ने दी है, यदि हां, तो इस सम्बन्ध में क्या कार्य किया गया है ?

Shri P. S. Naskar: All possible services have been given to the military authorities, including the services available in the civil hospitals. As I said earlier, you will agree with me that the details cannot be disclosed.

श्री म० ला० द्विवेदी : मैं जानना चाहता हूं कि भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये क्या सरकार ने सैनिक अस्पतालों के लिए समुचित धनराशि की व्यवस्था की है, जिससे कि यदि और कभी ऐसी आवश्यकता पड़ जाय तो हमें किसी प्रकार की कमी न पड़े ?

Shri P. S. Naskar: That question may be put to the Defence Ministry.

श्री म० ला० द्विवेदी : सैनिक अस्पतालों के बारे में ?

अध्यक्ष महोदय : सैनिक अस्पताल उस में आते हैं ।

Shri Shivaji Rao S. Deshmukh: May I know what are the specific efforts made by the Ministry of Health over and above those of the Defence Ministry to rehabilitate the Ambala Military Hospital?

Shri P. S. Naskar: All the military hospitals are looked after by the Defence.

Shri Shivaji Rao S. Deshmukh: The question is what specific efforts have been made by the Health Ministry over and above those of Defence.

Shri P. S. Naskar: The necessary assistance will be given to the Defence Ministry.

श्री तुलशीदास जाधव : इस वक्त जो सिविल अस्पतालों पर खर्चा होता है उस में दस परसेंट की कमी करने का आर्डर दिया गया है क्या यह सच्ची बात है ?

Shri P. S. Naskar: Whatever is necessary for the emergency will be done, cut or no cut.

Shri D. C. Sharma: The statements that the hon. Minister has made are beautiful. May I know what extra assistance has been given by the Health Ministry during this emergency to the civil hospitals all over the country and also to the military hospitals, if possible? I want some facts and not merely a beautiful answer.

Shri P. S. Naskar: For security reasons, this information cannot be given. If you want me to disclose it.....

Mr. Speaker: It is for the Minister to decide.

Shri P. S. Naskar: All possible help is given.

Shri D. C. Sharma: What is meant by 'all possible help'?

Mr. Speaker: He says that it is not in public interest to disclose the information. (*Interruptions*).

Shri Basappa: May I now if some of the patients in the civilian hospitals were discharged to make room for military patients and if so what is their number?

Shri P. S. Naskar: It is a fact that some of the old cases which could be easily treated at home were discharged from the hospital but not urgent cases. I do not have details of the number.

श्री हुकम चन्द कछवाय : सैनिक अस्पतालों में जो सहायता दी गई उस में दवाइयों की सहायता कितनी दी गई, डाक्टरों की सहायता कितनी दी गई और धनराशि की सहायता कितनी दी गई?

Shri P. S. Naskar: It is not a question of delay. Whatever the military authorities wanted. . . .

Mr. Speaker: He has the information or not?

Shri P. S. Naskar: I do not have the exact number.

Shri D. J. Naik: May I know if any private hospitals offered their services for the treatment of our soldiers and if so, how many hospitals?

Shri P. S. Naskar: As I said earlier, all the possible help that was needed by the military authorities were given. I cannot give details.

व्यापारियों द्वारा आय-कर अपवंचन

*38. **श्री द्वा० ना० तिवारी :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कई व्यापारी 'खत्रा खाता' रख रहे हैं जिससे आय-कर का अपवंचन करने अथवा उसकी अदायगी में विलम्ब करने के लिए खातों में भविष्य में अदल बदल किया जा सके; और

(ख) यदि हां, तो इस कदाचार को रोकने के लिए सरकार ने क्या उपाय किये हैं ?

वित्त मंत्रालय में उपमंत्री (श्री रामेश्वर साहू) : (क) व्यापारी लेखा-वर्ष की आखिरी तारीख को खाते बन्द नहीं कर देते लेकिन अन्तिम स्टाक का मूल्य और बकाया देनदारियां आदि का जमाखर्च करने के लिए उन्हें खुला रखते हैं । विभाग इस बात से अनभिज्ञ नहीं है कि इस प्रथा का दुरुपयोग किया जा सकता है ।

(ख) खाते खुले रखने से होने वाले राजस्व की हानि को रोकने के लिए उठाये गये महत्वपूर्ण कदम ये हैं --

(1) व्यापार-स्थानों में प्रवेश करने तथा चालू बहियों पर भी पहिचान चिह्न लगाने की शक्ति का प्रयोग;

(2) आखिरी इन्दराज और बाद में की गई इन्दराज का खास ध्यान रखते हुए खातों की छानबीन करना ;

(3) आमदनी का विवरण पेश करने में देरी के लिए आयकर अधिनियम में की गई दण्ड-व्यवस्था का प्रयोग ।

श्री द्वा० ना० तिवारी : अभी मंत्री महोदय ने कहा कि व्यापारियों द्वारा खुले खाते रख कर उनके द्वारा जो इनकमटैक्स का इवेंजन होता है उस को रोकने के लिए उनके विरुद्ध कार्यवाही की जाती है तो मैं जानना चाहता हूं कि कितने केसेज में सन् 1964-65 के दौरान यह कार्यवाही की गई है और उनमें कितने रुपयों के गोलमाल का पता लगा है ?

श्री रामेश्वर साहू : उसके लिए अलहदा से सूचना चाहिये ।

श्री द्वा० ना० तिवारी : क्या सरकार को मालूम है कि बड़े बड़े बिजनेसमैन दो-दो और तीन-तीन खाते बहियां रखते हैं। एक रखते हैं इनकमटैक्स में दिखलाने के लिए और दूसरा रखते हैं अपनी निजी जानकारी के लिए और ऐसी बहियों को बना कर इनकमटैक्स का कितना रुपया मारने का उनका प्रबन्ध था क्या इस का कोई पता लग सका है ?

योजना मंत्री (श्री ब० रा० भगत) : वह दो किताबें रखते हैं या तीन रखते हैं सवाल यह नहीं था बल्कि सवाल तो यह था कि वह खाते बंद होने के दिन के बाद भी उसे थोड़े दिन तक खुला रखते हैं और उस से दुरुपयोग होता है । अब इस प्रथा के दुरुपयोग को रोकने के वास्ते इनकमटैक्स आफिसर को हमेशा अधिकार होता है कि जब भी वह चाहे आ कर उनके खातों को देख सकता है,